नबाम रेबिया केस

संदर्भ

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में एक राजनीतिक दल के दो गुटों के बीच पार्टी के नाम और प्रतीक के दावे को लेकर विवाद को संविधान पीठ को भेज दिया है।

प्रमुख बिंदु

• बेंच ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नबाम रेबिया मामले (2016) में अदालत के पहले के फैसले में खामियां थीं।
• उस मामले में, अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल ने अपने विवेक से विधानसभा सत्र को एक महीने आगे बढ़ा दिया था और अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन अध्यक्ष ने उनके निष्कासन के एजेंडे से ठीक एक दिन पहले दलबदल के आधार पर विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया था। राज्यपाल के निर्देश पर विधान सभा द्वारा विचार किया जाता है।

अध्यक्ष की शक्ति

• संविधान की धारा 179(c) में प्रावधान है कि एक अध्यक्ष को सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से पारित विधानसभा के एक प्रस्ताव द्वारा पद से हटाया जा सकता है।
• संविधान सभा की बहसों से पता चला कि वाक्यांश 'सभी तत्कालीन सदस्यों' को 'उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों' के लिए पसंद किया गया था क्योंकि यह सटीक था।
• इसलिए, न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि बागी विधायकों को अयोग्य घोषित करने का अध्यक्ष का निर्णय 'तत्कालीन सभी सदस्यों' (प्रभावी बहुमत) द्वारा मतदान पर काबू पाने और हटाने से बचने का एक प्रयास था।

राज्यपाल का विवेक

• इसी मामले में, SC ने पुष्टि की कि राज्यपाल को व्यापक विवेकाधीन शक्तियां प्राप्त नहीं हैं और वह हमेशा संवैधानिक मानकों के अधीन होता है। न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि राज्यपाल के विवेक का विस्तार अनुच्छेद 174 के तहत राज्य की विधायिका को बुलाने, सत्रावसान करने या भंग करने की शक्तियों तक नहीं है।
• इसलिए, वह मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल की सहायता और सलाह के बिना सदन को बुलाने, उसके विधायी एजेंडा को निर्धारित करने या विधान सभा को संबोधित नहीं कर सकते थे (अनुच्छेद 163)।

नेबुलर गैस की स्पेक्ट्रोग्राफिक जांच (सिंग)

सन्दर्भ

विकासशील चीनी अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंग पर एक भारतीय निर्मित स्पेक्ट्रोस्कोप स्थापित करने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना में आगे बढ़ने के लिए भारतीय खगोल वैज्ञानिक इसरो और विदेश मंत्रालय से मंजूरी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

प्रमुख बिंदु

• सिंग नामक परियोजना को भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बेंगलुरु के शोध छात्रों द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है।
• इसमें खगोल विज्ञान संस्थान, रूसी विज्ञान अकादमी के साथ सहयोग भी शामिल है।
• यह मुख्य रूप से एक स्पेक्ट्रोग्राफ भेजने और स्थिति से संबंधित है, एक उपकरण जो पराबैंगनी विकिरण का अध्ययन करने के लिए घटक आवृत्तियों और तरंग दैर्ध्य में प्रकाश को विभाजित करता है।
• यह उस क्षेत्र में अंतरतारकीय गैस के मेकअप और स्रोतों का विश्लेषण करने में मदद करेगा जो अंतरिक्ष स्टेशन द्वारा पृथ्वी के चारों ओर परिक्रमा करते समय बह जाता है।
• सिंग परियोजना भारत और चीन को शामिल करने वाला पहला अंतरिक्ष सहयोग होगा।
• इसे साल के अंत तक तैयार करने की योजना है ताकि इसे 2023 की गर्मियों में लॉन्च किया जा सके।

तियांगोंग के बारे में

• अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के बाद कक्षा में यह केवल दूसरा ऐसा स्टेशन होगा।
• टी-आकार का स्टेशन, जब पूरा हो जाता है, तो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के रूप में लगभग 20% या पृथ्वी पर लगभग 460 टन होने की उम्मीद है।
• अंतरिक्ष स्टेशन में तीन मॉड्यूल शामिल हैं, जिनमें से दो को क्रमशः अप्रैल 2021 और जुलाई 2022 में लॉन्च किया जा चुका है।
• तीसरे को इस अक्टूबर 2022 में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल

सन्दर्भ

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और भारतीय नौसेना ने हाल ही में ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR), चांदीपुर से वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (VL-SRSAM) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

प्रमुख बिंदु

• उर्ध्वाधर प्रक्षेपण क्षमता के प्रदर्शन के लिए एक उच्च गति वाले मानवरहित हवाई लक्ष्य के खिलाफ भारतीय नौसेना के जहाज से उड़ान परीक्षण किया गया था।

• स्वदेशी रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) सीकर से लैस मिसाइलों ने उच्च सटीकता के साथ लक्ष्य को भेदा।

• वीएल-एसआरएसएएम प्रणाली को डीआरडीओ द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है।

• परीक्षण लॉन्च के दौरान, आईटीआर, चांदीपुर द्वारा तैनात रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम (ईओटीएस) और टेलीमेट्री सिस्टम जैसे विभिन्न रेंज के उपकरणों द्वारा कैप्चर किए गए उड़ान डेटा का उपयोग करके उड़ान पथ और वाहन प्रदर्शन मापदंडों की निगरानी की गई।

• यह समुद्र-स्किमिंग लक्ष्यों सहित निकट सीमा पर विभिन्न हवाई खतरों को बेअसर करने के लिए भारतीय नौसेना को और मजबूत करेगा।

बेनामी कानून

सन्दर्भ

भारत के सर्वोच्च न्यायालय (एससी) ने हाल ही में फैसला सुनाया कि 1 नवंबर, 2016 को लागू हुए बेनामी अधिनियम में संशोधन 5 सितंबर, 1988 और 25 अक्टूबर, 2016 के बीच लेनदेन पर पूर्वव्यापी रूप से लागू नहीं किया जा सकता है।

बेनामी कानून क्या है?

• 1988 में पेश किया गया, बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम बेनामी लेनदेन को प्रतिबंधित करता है और सरकार को बेनामी संपत्ति की वसूली का अधिकार देता है।

• अधिनियम के अनुसार, एक बेनामी लेनदेन एक लेनदेन है "जहां एक संपत्ति एक व्यक्ति को हस्तांतरित या धारण की जाती है, और ऐसी संपत्ति के लिए प्रतिफल प्रदान किया गया है, या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भुगतान किया गया है"।

• इसमें लेन-देन भी शामिल है जहां "संपत्ति तत्काल या भविष्य के लाभ के लिए रखी जाती है, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, उस व्यक्ति के जिसने प्रतिफल प्रदान किया है।"

• हालांकि, जब संपत्ति हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के किसी सदस्य के पास एचयूएफ की ओर से या उसके पति या पत्नी या बच्चों की ओर से हो, तो इसे बेनामी नहीं माना जा सकता है। इसके अलावा, यदि संपत्ति एक प्रत्ययी क्षमता में है, तो यह कानून के दायरे में नहीं आती है।

• कानून के अनुसार, केंद्र बेनामी संपत्ति के रूप में टैग की गई किसी भी संपत्ति को जब्त कर सकता है।

• नकद और संवेदनशील जानकारी को अधिनियम के तहत 'संपत्ति' भी कहा जा सकता है।

2016 में अधिनियम में क्या संशोधन किए गए थे?

• 1 नवंबर, 2016 को लागू हुए संशोधन में अधिनियम के भाग 3 की धारा 3 में एक उप-धारा 2 शामिल की गई।

• यह निर्दिष्ट करता है कि जो कोई भी बेनामी लेनदेन में प्रवेश करता है उसे तीन साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। नई सजा को 2016 से पहले हुए लेन-देन पर भी पिछली तारीख से लागू किया जा रहा था।

सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी

सन्दर्भ

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने कहा कि डिजिटल रुपया 'सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC)' को चालू वित्त वर्ष में थोक व्यवसायों के साथ शुरू किया जाएगा।

सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC) क्या है?

• आरबीआई के अनुसार, "सीबीडीसी एक डिजिटल रूप में एक केंद्रीय बैंक द्वारा जारी कानूनी निविदा है।

• यह फिएट मुद्रा के समान है और फिएट मुद्रा के साथ विनिमय योग्य है। केवल उसका रूप अलग है।

" ब्लॉकचेन द्वारा समर्थित वॉलेट का उपयोग करके डिजिटल फिएट मुद्रा या सीबीडीसी का लेन-देन किया जा सकता है।

• हालांकि सीबीडीसी की अवधारणा सीधे बिटकॉइन से प्रेरित थी, यह विकेन्द्रीकृत आभासी मुद्राओं और क्रिप्टो संपत्तियों से अलग है, जो राज्य द्वारा जारी नहीं की जाती हैं और 'कानूनी निविदा' स्थिति का अभाव है।

• सीबीडीसी उपयोगकर्ता को घरेलू और सीमा पार दोनों तरह के लेनदेन करने में सक्षम बनाता है जिसके लिए किसी तीसरे पक्ष या बैंक की आवश्यकता नहीं होती है।

महत्व:

• सीबीडीसी की शुरूआत में महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करने की क्षमता है,
जैसे नकदी पर कम निर्भरता,
जोखिम कम।
यह संभवतः एक अधिक मजबूत, कुशल, विश्वसनीय, विनियमित और कानूनी निविदा-आधारित भुगतान विकल्प की ओर भी ले जाएगा।

कार्बन जीरो चैलेंज

सन्दर्भ

हाल ही में IIT मद्रास ने कार्बन जीरो चैलेंज 2022 लॉन्च किया है।

प्रमुख बिंदु

• भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास का नवीनतम संस्करण (आईआईटी मद्रास) कार्बन जीरो चैलेंज (सीजेडसी) 'संसाधन की कमी और प्रदूषण' पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसे जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और जैव विविधता के नुकसान से तेज किया गया है।
• CZC 2022, एक अखिल भारतीय पर्यावरण-नवाचार और उद्यमिता प्रतियोगिता, का उद्देश्य भारत में पर्यावरण नवाचारों के प्रयोगशाला-से-बाजार संक्रमण में तेजी लाना है।
• इस वर्ष का विषय 'सीआरसी - संसाधन संरक्षण में परिपत्रता' के लिए सीजेडसी है।
• यह विचार संसाधनों की कमी, पुनर्चक्रण, पुनर्प्राप्ति और पुन: उपयोग को सक्षम करने के लिए संसाधन संरक्षण, पुनर्विचार डिजाइन और सामग्री के माध्यम से मांग और पृथ्वी की आपूर्ति को संतुलित करने की आवश्यकता को उजागर करना है।

IAF ने तीन अधिकारियों को किया बर्खास्त

सन्दर्भ

मार्च 2022 में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की आकस्मिक फायरिंग जिसमे मिसाइल पाकिस्तान में गिरी थी , में भारतीय वायु सेना (IAF) कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (कर्नल) ने पाया कि तीन अधिकारियों द्वारा मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) से विचलन के कारण घटना हुई।

प्रमुख बिंदु

• मिसाइल 124 किमी पाकिस्तान के अंदर गिरी थी जिसके कारण जिम्मेदार अधिकारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं।

ब्रह्मोस के बारे में

• यह भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) और रूस के NPO Mashinostroyeniya के बीच एक संयुक्त उद्यम है और मिसाइल का नाम ब्रह्मपुत्र और मोस्कवा नदियों से लिया गया है।
• यह दो चरणों वाली मिसाइल है जिसमें पहले चरण के रूप में एक ठोस प्रणोदक बूस्टर इंजन है जो इसे सुपरसोनिक गति में लाता है और फिर अलग हो जाता है।
• तरल रैमजेट या दूसरा चरण तब मिसाइल को क्रूज चरण में 3 मच की गति के करीब ले जाता है।
• उन्नत एम्बेडेड सॉफ्टवेयर के साथ चुपके प्रौद्योगिकी और मार्गदर्शन प्रणाली मिसाइल को विशेष सुविधाएँ प्रदान करती है।
• मिसाइल की उड़ान सीमा 290 किमी तक है और पूरी उड़ान में सुपरसोनिक गति है, जिससे उड़ान का समय कम हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लक्ष्य का कम फैलाव, त्वरित जुड़ाव समय और दुनिया में किसी भी ज्ञात हथियार प्रणाली द्वारा गैर-अवरोधन सुनिश्चित होता है।
• यह लक्ष्य के रास्ते में उड़ानों की किस्मों को अपनाते हुए 'फायर एंड फॉरगेट सिद्धांत' पर काम करता है।
• इसकी परिभ्रमण ऊंचाई 15 किमी तक हो सकती है और टर्मिनल ऊंचाई 10 मीटर जितनी कम हो सकती है।

मौजूदा अत्याधुनिक सबसोनिक क्रूज मिसाइलों की तुलना में, ब्रह्मोस में:

3 गुना अधिक वेग है।
2.5 से 3 गुना अधिक उड़ान रेंज है।
3 से 4 गुना अधिक साधक श्रेणी है।
9 गुना अधिक गतिज ऊर्जा है।

अन्य महत्त्वपूर्ण खबरें

अमलथिया और एड्रैस्टिया

सन्दर्भ

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से प्राप्त बृहस्पति के निकट अवरक्त डेटा को संसाधित करने के बाद नासा द्वारा जारी एक छवि में दो उपग्रहों की छवियां शामिल हैं।

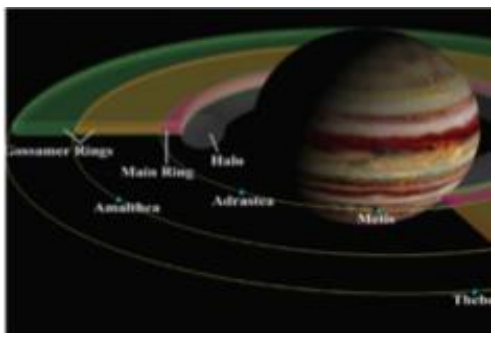

प्रमुख बिंदु

• अमलथिया और एड्रास्टिया दोनों अपेक्षाकृत बहुत पहले पाए गए थे।
• अमलथिया की खोज एडवर्ड इमर्सन बरनार्ड ने 1892 में की थी; एड्रास्टिया की खोज वोयाजर टीम ने 1979 में की थी। दोनों ग्रह वास्तव में चंद्रमा के चंद्रमा हैं; वे लो की परिक्रमा करते हैं, जो बृहस्पति का एक बड़ा और घना चंद्रमा है।
• लो चार "गैलीलियन उपग्रहों" में से एक है, जो पृथ्वी से परे बृहस्पति की परिक्रमा करते हुए खोजे गए पहले चार चंद्रमाओं में से एक है। वे यूरोपा, गेनीमेड और कैलिस्टो से जुड़े हुए हैं।

'अरविंद ग्राउंड गेको'

सन्दर्भ

शोधकर्ताओं के एक समूह ने पश्चिमी घाट में अगस्त्यमलाई पहाड़ियों से मुड़े हुए पैर की छिपकली की एक नई प्रजाति की खोज की है।

प्रमुख बिंदु

• नई प्रजाति, जिसे वैज्ञानिक नाम साइरटोडैक्टाइलस अरविंडी दिया गया है, को रूपात्मक और आणविक डीएनए डेटा में इसकी विशिष्टता के आधार पर वर्णित किया गया है। यह अब तक तमिलनाडु में अगस्त्यमलाई बायोस्फीयर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले कन्याकुमारी जिले में केवल दो स्थानों मुप्पंडल और ठुकले में पाया गया है।

गेकोस के बारे में

• गेकोस सरीसृप हैं और अंटार्कटिका को छोड़कर सभी महाद्वीपों पर पाए जाते हैं।
• यह रंगीन छिपकलियां वर्षा वनों, रेगिस्तानों से लेकर ठंडे पहाड़ी ढलानों में रहने के अनुकूल है।
• अधिकांश जेकॉस रात्रिचर होते हैं, जिसका अर्थ है कि वे रात में सक्रिय होते हैं, लेकिन दिन के दौरान जेकॉस सक्रिय होते हैं और कीड़ों, फलों और फूलों के रस पर कुतरते हैं।
• अधिकांश जेकॉस की पलकें हिलती-डुलती नहीं होती हैं और उनकी एक पारदर्शी पलक होती है जिसे वे अपनी जीभ से चाट कर साफ रखते हैं।
• छिपकली की कई प्रजातियां होती हैं। प्रजातियों के आधार पर, उनकी लुप्तप्राय स्थिति कम चिंता से लेकर गंभीर रूप से लुप्तप्राय तक हो सकती है।

सूखे के प्रकार

सन्दर्भ

यूरोप वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग डिग्री में ,सभी तीन प्रकार के सुखों से प्रभावित हैं, ।

मौसम संबंधी सूखा

• वर्षा की संभावना वाले समय में लंबे समय तक शुष्क रहने की अवधि।

• यह सूखापन या वर्षा की कमी की डिग्री और शुष्क अवधि की लंबाई पर आधारित है।

हाइड्रोलॉजिकल सूखा

• जब पानी की कमी सिस्टम में सामान्य आपूर्ति को प्रभावित करना शुरू कर देती है।
• यह जल आपूर्ति पर वर्षा की कमी के प्रभाव पर आधारित है जैसे कि धारा प्रवाह, जलाशय और झील का स्तर, और भूजल स्तर में गिरावट।

कृषि सूखा

• जब पानी की कमी कृषि उत्पादन को प्रभावित करने लगती है।

नौकरी का पूर्वानुमान 2020-2040

सन्दर्भ

मार्केट एनालिटिक्स फर्म फॉरेस्टर ने 2020 और 2040 के बीच फ्यूचर ऑफ जॉब्स फोरकास्ट पर एक रिपोर्ट जारी की है।

प्रमुख बिंदु

• 69% भारतीय नौकरियां सैद्धांतिक रूप से 2040 तक स्वचालन की वजह से खतरे में हैं।
• हालांकि, अन्य एशिया प्रशांत (APAC) देशों जैसे दक्षिण कोरिया, जापान और ऑस्ट्रेलिया की तुलना में भारत में स्वचालन के कारण खोई गई नौकरियों की संख्या कम होने की संभावना है।
• यूरोप और उत्तरी अमेरिका की तुलना में APAC भौतिक रोबोट स्वचालन से अधिक जोखिम में है।
• ऐसा इसलिए है क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्थाओं का एक बड़ा हिस्सा उद्योग, निर्माण और कृषि से आता है, जो स्वचालन के प्रति अधिक संवेदनशील हैं।
• ऑस्ट्रेलिया के अलावा भारत एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जो एपीएसी क्षेत्र में अपने कार्यबल में विस्तार देखेगा।
• भारत दुनिया में सबसे कम उम्र की कामकाजी आबादी में से एक है।
• एक भारतीय कामगार की औसत आयु 38 वर्ष है, इसकी तुलना में, चीन की औसत कामकाजी आयु 47 है, दक्षिण कोरिया में एक कार्यकर्ता की औसत आयु 46 है।
• भारत में कार्यबल स्वचालन को लागू करना चुनौतीपूर्ण है जब गैर-कृषि रोजगार का 80% अनौपचारिक क्षेत्र में है।

सेमीकंडक्टर उपभोक्ता बाजार

सन्दर्भ

इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) और काउंटरपॉइंट रिसर्च के एक संयुक्त शोध ने 'इंडिया सेमीकंडक्टर मार्केट रिपोर्ट, 2019-2026' जारी की।

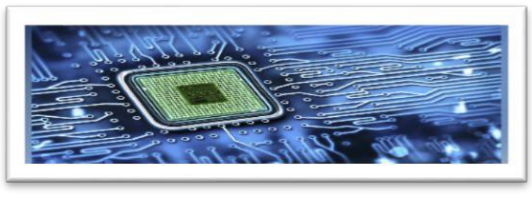

प्रमुख बिंदु

- भारत अर्धचालकों के लिए विश्व का दूसरा सबसे बड़ा बाजार बनने की ओर अग्रसर है।
- अमेरिका 47% से अधिक अर्धचालकों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, इसके बाद दक्षिण कोरिया लगभग 20% है।

अन्ना मणि

सन्दर्भ

हाल ही में गूगल डूडल ने भारतीय भौतिक विज्ञानी और मौसम विज्ञानी अन्ना मणि की 104वीं जयंती मनाई।

प्रमुख बिंदु

- देश की पहली महिला वैज्ञानिकों में से एक जिनके जीवन के कार्यों ने भारत को सटीक मौसम पूर्वानुमान लगाने में सक्षम बनाया।
- भारत में उत्पादन के लिए लगभग 100 मौसम उपकरणों का मानकीकरण।
- उसने एक कार्यशाला की स्थापना की जो हवा की गति और सौर ऊर्जा को मापने के लिए उपकरण बनाती थी।
- 1987 में, उन्हें विज्ञान में उनके योगदान के लिए इन्सा के.आर. रामनाथन पदक से सम्मानित किया गया।

MCQ, **Current Affairs**, **Daily Pre Pare**

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | **LAXMI NAGAR :** 9205212500, 9205962002 | **RAJENDRA NAGAR:** 9205274743 | **UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ:** 0532-2260189, 8853467068 | **LUCKNOW** (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | **LU**[illegible]**W** (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | **GREATER NOIDA:** 9205336037, 38 | **KANPUR:** 7887003962, 7897003962 | **GORAKHPUR** : 7080847474, [illegible]7474 | **ODISHA BHUBANESWAR:** 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com